

SHRI PANKAJ ADVANI

Shri Pankaj Advani is a world- renowned Billiards and Snooker player and has broken many records nationally and internationally in both sports. He is the only player in the history of Cue Sport to have won World Titles in both the long and short formats of snooker and billiards and he continues to put Indian Cue Sport on the global map.

2. Born in Pune on 24 July 1985, Shri Advani spent the first five years of his life in Kuwait. In 1990, after the Iraqi Invasion on Kuwait, he settled with his parents and elder brother in Bangalore and has been there since then. His father, Shri Arjan Advani, died in 1992 when he was just 6 years old. Inspite of playing competitive billiards and snooker from the age of ten, he completed his ISC from The Frank Anthony Public School Bangalore and B. Com from Shree Mahaveer Jain College, Bangalore, with a first class distinction in both. In school he was the Head Boy in his final year. At the age of 19, while still in college, he joined ONGC under their sports quota. He is now at the Chief Managerial level at their Mumbai Office. His is a non-reporting job, giving him ample time for practice and participation in tournaments.

3 Shri Advani's first world title came at the age of eighteen, when he won the IBSF World Snooker Championship in China in 2003. In 2005, he won the IBSF World Billiards Championship in Malta in both Time and Points Format. He was the first ever to have won a double. His passion for the sport shows in his consistency in winning titles for his Country and State. His most remarkable achievement was winning back-to-back titles in the IBSF World Billiards and IBSF World Snooker in Doha in November 2017. Now at 32, he has won a total of 18 World titles- a record in Indian sport, 2 Asian Games golds in 2006 and 2010, 8 Asian titles, the Australian Open Billiards Championship, and 31 National titles.

4. With his long list of achievements, Shri Advani continues to be India's flag-bearer of Billiards and Snooker. He is a great ambassador of Indian sport, and consistently carries a huge responsibility on his young shoulders. He has a penchant for social causes and has lent ample support to organizations like PETA, CRY, Have a Heart Foundation, Shiksha, Smile Foundation and CMCA.

5. Shri Advani received the Padmashree Award from the Government of India in 2009. He also received the Arjuna Award in 2004 and the Rajiv Gandhi Khel Ratna Award in 2006. He is the recipient of the Eklavya, Rajyotsava and Shri Kempegowda awards of Karnataka. He has been conferred various awards like the ICICI-Times Now Global Indian for Sports in 2017, TOISA's Sportsperson of the year (Popular Category) 2015, World Economic Forum's Global Shaper title in 2012 and various other awards.



श्री पंकज अड्वानी

श्री पंकज अड्वानी विश्व प्रसिद्ध बिलियर्डस एवं स्नूकर खिलाड़ी हैं तथा आपने दोनों ही खेलों में कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रिकार्ड तोडे हैं। क्यू खेल के इतिहास में आप एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने स्नूकर और बिलियर्डस के बड़े एवं छोटे दोनों ही फारमेट में विश्व-खिताब जीते हैं और आप भारतीय क्यू खेल को विश्व के नक्शे पर प्रतिष्ठित करने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

2. आपका जन्म 24 जुलाई, 1985 को पुणे में हुआ था। आपने अपने जीवन के पहले पांच वर्ष कुवैत में बिताए। वर्ष 1990 में, कुवैत पर ईराकी आक्रमण के बाद आप अपने माता-पिता तथा बड़े भाई के साथ बंगलौर में रहने लगे और तब से आप वहीं रह रहे हैं। आपके पिताजी, श्री अर्जन अडवाणी का वर्ष 1992 में जब देहान्त हो गया था, उस समय आपकी उम्र मात्र 6 वर्ष की थी। दस वर्ष की आयु से प्रतियोगी बिलियर्डस एवं स्नूकर खेलने के बावजूद आपने द फ्रैंक एंथनी पब्लिक स्कूल, बेंगलूर से अपनी आई एस सी और श्री महावीर जैन कॉलेज, बंगलोर से बी.काम दोनों परीक्षाएं प्रथम श्रेणी विशेष योगयता के साथ पास कीं। स्कूल में,अपने अंतिम वर्ष में आप हेड ब्वॉय हुआ करते थे। 19 वर्ष की उम्र में, जब आप कॉलेज में ही थे, तो खेल कोटा के तहत आपने तेल एवं प्राकृतिक गेस आयोग (ओएनजीसी) में कार्य ग्रहण किया। इस समय, आप मुम्बई कार्यालय में मुख्य प्रंबधकीय स्तर पर सेवारत हैं। आप का कार्य नॉन-रिपोर्टिंग प्रकृति का रहा है, इसलिए आपको टूर्नामेंटों में प्रैक्टिस करने और भाग लेने के लिए काफी समय मिलता रहा।

3. आपको पहला विश्व खिताब 18 वर्ष की उम्र में प्राप्त हुआ, जब आपने वर्ष 2003 में, चीन में आई बी एस एफ विश्व स्नूकर चैम्पियनशिप जीती। वर्ष 2005 में, टाइम और प्वाइंट्स दोनों फारमेट में, माल्टा में आई बी एस एफ विश्व बिलियर्डस चैम्पियनशिप जीती। आप अब तक पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने डबल में जीत हासिल की है। इस खेल के प्रति आपका लगाव, अपने देश और राज्य के लिए लगातार जीते गए खिताबों में दिखाई देता है। आपकी सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि नवम्बर, 2017 में दोहा में आई बी एस एफ विश्व बिलियर्डस तथा आई बी एस एफ विश्व स्नूकर में बैक-टु-बैक खिताबों को जीतना है। इस समय 32 वर्ष की उम्र में आपने कुल 18 विश्व खिताब अपने नाम किए हैं - जो भारतीय खेल में एक रिकार्ड है -साथ ही वर्ष 2006 और 2010 में 2 एशियन गेम्स गोल्ड्स, 8 एशियन खिताब, द ऑस्ट्रेलियन ओपन बिलियर्डस चैम्पियनशिप तथा 31 राष्ट्रीय खिताब आपकी झोली में हैं।

4. उपलब्धियों की लम्बी फेहरिस्त के साथ आप लगातार भारत के बिलियर्डस और स्नूकर के ध्वज-वाहक बने हुए हैं। आप भारतीय खेल के महान दूत हैं और अपने युवा कंधों पर लगातार, एक बड़े उत्तरदायित्व को उठाए हुए हैं। आपकी सामाजिक कार्यों के प्रति रूचि है और पेटा, क्राई, हेव ए हर्ट फाउन्डेशन, शिक्षा, स्माइल फाउन्डेशन तथा सी एम सी ए जैसे संगठनों की काफी सहायता की है।

5. आपको वर्ष 2009 में, भारत सरकार की ओर से पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त हुआ। आपको वर्ष 2004 में अर्जुन पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। आपको कर्नाटक के एकलव्य राज्योत्सव तथा श्री केम्पेगौड़ा पुरस्कारों से भी नवाज़ा गया है। आपको कई और पुरस्कारों जैसे - वर्ष 2017 में आई सी आई सी आई - टाइम्स नॉऊ ग्लोबल इंडियन फॉर स्पोर्टस, वर्ष 2015 का तोएशा का स्पोर्टस पर्सन ऑव द इयर (पापुलर श्रेणी), वर्ष 2012 में वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम का ग्लोबल शेयर खिताब तथा विभिन्न अन्य पुरस्कारों से विभूषित किया गया ।